बजट घोषणा 2012–13

क्र.सं.	घोषणा संख्या	घोषणा
1.	146.	राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर राजस्थान का गौरव बढ़ाने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को दी जाने वाली पुरस्कार राशि को बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुझे माननीय सदन को बताते हुए हर्ष है कि, खिलाड़ियों को देय पुरस्कार राशियों में दस गुना वृद्धि की जा रही है :– • अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 50 हजार के स्थान पर 5 लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 30 हजार रुपये के स्थान पर 3 लाख रुपये एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 20 हजार रुपये के स्थान पर 2 लाख रुपये। • राष्ट्रीय स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 25 हजार रुपये के स्थान पर 2 लाख 50 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार रुपये के स्थान पर 1 लाख रुपये एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 5 हजार रुपये के स्थान पर 50 हजार रुपये। • राज्य स्तरीय स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार रुपये के स्थान पर 1 लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 5 हजार रुपये के स्थान पर 50 हजार रुपये एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 2 हजार रुपये के स्थान पर 20 हजार रुपये।
2.	147	बूंदी, चूरू, झुंझुनू, पाली, अलवर, मकराना–नागौर, चित्तौड़गढ़ और हनुमानगढ़ में खेल संकुलों के निर्माण हेतु 16 करोड़ रुपये एवं खेल स्टेडियमों के संधारण हेतु 2 करोड़ 50 लाख रुपये का प्रावधान करना प्रस्तावित है। जोधपुर के गोशाला खेल कांप्लेक्स में 5 करोड़ रुपये की लागत के सिंथेटिक ट्रेक के निर्माण हेतु राज्य सरकार द्वारा 3 करोड़ रुपये का अंशदान दिया जाना प्रस्तावित है।
3.	148	प्रदेश में प्रत्येक उपखंड स्तर पर खेल स्टेडियमों के निर्माण अथवा उच्चीकरण हेतु स्थानीय निकाय, पंचायती राज संस्थाओं, निजी सहयोग अथवा माननीय सांसदों एवं विधानसभा सदस्यों द्वारा राशि उपलब्ध करवाने पर राज्य सरकार द्वारा भी 10 लाख रुपये तक की Matching Grant दिया जाना प्रस्तावित है।
4.	149	राज्य के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं के विकास की असीम संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए, केन्द्र सरकार के सहयोग से, उदयपुर में जनजाति खेल अकादमी की स्थापना करना प्रस्तावित है, जिस पर 5 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इसके अतिरिक्त जैसलमेर में बास्केट–बॉल अकादमी, करौली में कबड्डी अकादमी एवं कोटा में नौकायन अकादमी स्थापित करने हेतु आगामी वर्ष 50–50 लाख रुपये उपलब्ध करवाये जायेंगे। जोधपुर स्थित फुटबाल अकादमी को भी 50 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई जायेगी।

Handball Federation of India

प्रेस विज्ञप्ति

अतंर्राष्ट्रीय हैण्डबॉल महासंघ भारत को देगा चार कोर्ट्स
3000 अतंर्राष्ट्रीय स्तर की बॉल्स
प्रशिक्षकों एवं रैफरीज के लिये रिफ्रेशर कोर्स
अतंर्राष्ट्रीय टूर्नामेन्ट की मेजबानी

जयपुर 3 अप्रेल। बैसिल (स्वीट्जरलैंड) में 29 व 30 मार्च को अतंर्राष्ट्रीय हैण्डबॉल महासंघ (आई.एच.एफ.) व भारतीय हैण्डबॉल महासंघ के बीच भारत में हैण्डबॉल के विकास के सम्बंध में विस्तार से चर्चा हुई।

इस बैठक की जानकारी देते हुए भारतीय हैण्डबॉल महासंघ के महासचिव श्री एस. एम. बाली ने बताया कि अतंराष्ट्रीय हैण्डबॉल महासंघ के अध्यक्ष डॉ. हसन मुस्तफा ने भारत में हैण्डबॉल के बढते स्तर व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन को मद्देनजर रखते हुये देश में इस खेल के विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाऐ देने की घोषणा की।

उन्होनें कहा की इस वर्ष आई.एच.एफ की ओर से चार कोर्ट्स दिये जायेगें, जिसमें तीन सिंथेटिक कोर्ट्स आऊटडोर के लिये और एक टेरा फ्लेक्स कोर्ट इनडोर के लिये है। इसके अलावा अतंर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिये काम में ली जाने वाली बॉल्स भी 3000 मिलेगी। श्री बाली ने बताया कि आई.एच.एफ भारतीय प्रशिक्षकों व रैफरिज के लिए भी रिफ्रेशर कोर्स लगायेगा जिससे टीमों व निर्णायकों के स्तर में बहुत सुधार होगा।

उन्होनें कहा कि आई.एच.एफ का सबसे ज्यादा ध्यान स्कूली बच्चों व उनको ट्रेनिंग देने वाले प्रशिक्षकों पर है। स्कूली बच्चों को उन्होनें दो ग्रुपो में बांटा है जिसमे पहले ग्रुप में 5 से 11 वर्ष के बच्चे तथा दूसरे ग्रुप में 12 से 17 वर्ष के बच्चे शामिल है। आई.एच.एफ भारत के तीन शहरों में इस आयु वर्ग के बच्चों व उनके प्रशिक्षकों के लिए रिफ्रेशर कोर्स भी लगायेगा।

श्री बाली ने बताया कि इसके अलावा आई.एच.एफ ने ग्लोबल रैफरिज ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिये युवा रैफरिज के नाम भी मांगे है इसके अतिरिक्त रिटायर्ड प्लेयर्स प्रोजेक्ट के तहत भी नाम आमंत्रित किये है। आई.एच.एफ इन रिटायर्ड अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडियों की सेवायें आई.एच.एफ डेलीगेट, प्रशिक्षक व रैफरी के रूप में लेगी।

उन्होंने बताया कि इस साल भारत को एशियन जोन चैलेंज ट्रॉफी अन्तर्राष्ट्रीय टूर्नामेन्ट की मेजबानी भी दी जायेगी। बशर्त भारतीय टीम नेपाल में साउथ एशियन चैलेंज ट्रॉफी का खिताब जीतता है तो। श्री बाली ने डॉ. हसन मुस्तफा को विश्वास दिलाया है कि भारतीय हैण्डबॉल महासंघ उनके भरोसे पर खरा उतरेगा और जल्द ही विश्व हैण्डबाल के नक्शे पर भारतीय टीम दस्तक देगी।

उन्होने बताया कि आई.एच.एफ ने चार साल के लिये लॉग टर्म डवलपमेंट प्रोग्राम भी बनाया है जिसमें तहत प्रबधन , हैण्डबॉल का विस्तार, हैण्डबॉल की शिक्षा, आधारभूत सुविधाये, प्रतियोगितायें, मार्केटिंग आदि पर कार्य करना है।

इसके साथ ही श्री बाली ने उम्मीद जताई कि सभी राज्य हैण्डबॉल संघ भी इस खेल के विकास के लिये योजनाबद्व तरीके से कार्य करेंगें।

(प्रवक्ता)

एच.एफ.आई.